1 वैदिक साहित्य का इतिहास 50 (60) अंक
2 वेदाध्याय की आधुनिक परम्परा 30 (40) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

व्याकरणाचार्य – प्रथम वर्ष

प्रथम पत्र : व्याकरण दर्शन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

व्याकरण भूषणसार,कौण्डिन्य भट्ट 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

द्वितीय पत्र : व्याकरण परिभाषा

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

परिभाषेन्दुशेखर,नागेश भट्ट 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

तृतीय पत्र : प्राचीन व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

महाभाष्य प्रथम अध्याय–प्रथम पाद,
नवाह्निक 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–
1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।
2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

चतुर्थ पत्र : नव्य व्याकरण

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

लघुशब्देन्दु शेखर पंचासन्ध्यन्त,नागेश भट्ट 80 (100)